MASTER OF ARTS (POLITICAL SCIENCE)

(MPS)

Term-End Examination December, 2024

MPS-004: COMPARATIVE POLITICS

ANSWERS IN HINDI AND ENGLISH BOTH. 3RD PART

1. Critically examine the impact of multinational corporations on developing nations.

1. Economic Growth and Development

Multinational corporations (MNCs) play a significant role in boosting the economic growth of developing nations. By bringing in foreign direct investment (FDI), MNCs create job opportunities, improve infrastructure, and contribute to the overall economic growth. For instance, MNCs often build factories, supply chains, and technology platforms, which result in increased productivity and development.

अर्थव्यवस्था में विकास और प्रगति

मल्टीनेशनल कंपनियां (MNCs) विकासशील देशों की आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) लाकर, MNCs नौकरी के अवसर उत्पन्न करती हैं, अवसंरचना में सुधार करती हैं, और समग्र आर्थिक वृद्धि में योगदान देती हैं। उदाहरण के लिए, MNCs अक्सर फैक्ट्रियां, आपूर्ति श्रृंखलाएं और प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म बनाती हैं, जिससे उत्पादकता और विकास में वृद्धि होती है।

2. Employment and Labor Conditions

MNCs provide numerous job opportunities in developing countries, especially in sectors such as manufacturing, retail, and services. However, the quality of these jobs often raises concerns. Many MNCs tend to offer low wages, poor working conditions, and limited labor rights, leading to exploitation of workers.

रोजगार और श्रमिक स्थितियाँ

MNCs विकासशील देशों में कई नौकरी के अवसर प्रदान करती हैं, खासकर निर्माण, खुदरा और सेवाओं जैसे क्षेत्रों में। हालांकि, इन नौकरियों की गुणवत्ता अक्सर चिंताएँ पैदा

Scholarly Minds

करती है। कई MNCs कम वेतन, खराब कार्य स्थितियाँ और सीमित श्रमिक अधिकार प्रदान करती हैं, जिससे श्रमिकों का शोषण होता है।

3. Technological Transfer and Innovation

MNCs often bring advanced technologies and innovative practices to developing nations, which can significantly enhance the local industry. Through technology transfer, local firms gain access to new production methods, management techniques, and market strategies, leading to increased competitiveness.

प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण और नवाचार

MNCs अक्सर उन्नत प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को विकासशील देशों में लाती हैं, जिससे स्थानीय उद्योग में महत्वपूर्ण सुधार हो सकता है। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से, स्थानीय कंपनियों को नए उत्पादन तरीकों, प्रबंधन तकनीकों और विपणन रणनीतियों तक पहुँच प्राप्त होती है, जिससे प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होती है।

4. Cultural Influence and Identity

While MNCs bring economic benefits, they also exert a significant influence on the culture of developing nations. Global brands and consumer products often promote Western lifestyles and values, leading to cultural homogenization. This can result in the erosion of traditional customs and practices.

सांस्कृतिक प्रभाव और पहचान

जहाँ MNCs आर्थिक लाभ लाती हैं, वहीं वे विकासशील देशों की संस्कृति पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डालती हैं। वैश्विक ब्रांड और उपभोक्ता उत्पाद अक्सर पश्चिमी जीवनशैली और मूल्यों को बढ़ावा देते हैं, जिससे सांस्कृतिक समानता की ओर प्रवृत्ति होती है। इससे पारंपरिक रीति-रिवाजों और प्रथाओं का ह्रास हो सकता है।

5. Environmental Impact

MNCs can negatively impact the environment in developing countries due to their large-scale industrial operations. They often exploit natural resources, leading to deforestation, pollution, and depletion of local ecosystems. The lack of stringent environmental regulations in some developing nations exacerbates these issues.

पर्यावरणीय प्रभाव

Scholarly Minds

MNCs के विकासशील देशों में बड़े पैमाने पर औद्योगिक संचालन के कारण पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। वे अक्सर प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करती हैं, जिससे वनक्षरण, प्रदूषण और स्थानीय पारिस्थितिकीय तंत्र का क्षरण होता है। कुछ विकासशील देशों में कड़े पर्यावरणीय नियमों की कमी इन समस्याओं को बढ़ा देती है।

6. Market Domination and Local Business Impact

MNCs often dominate local markets, pushing small and medium-sized enterprises (SMEs) out of business. Their ability to offer cheaper products due to economies of scale and better technology leaves local businesses at a disadvantage. This can lead to a decline in local entrepreneurship and innovation.

बाजार में प्रभुत्व और स्थानीय व्यापार पर प्रभाव

MNCs अक्सर स्थानीय बाजारों में प्रभुत्व स्थापित करती हैं, जिससे छोटे और मध्यम आकार के उद्यम (SMEs) व्यवसाय से बाहर हो जाते हैं। स्केल की अर्थव्यवस्थाओं और बेहतर प्रौद्योगिकी के कारण वे सस्ती उत्पाद पेश करने में सक्षम होती हैं, जिससे स्थानीय व्यापारों को नुकसान होता है। इसके परिणामस्वरूप स्थानीय उद्यमिता और नवाचार में कमी आ सकती है।

7. Dependency on Foreign Capital

While MNCs contribute to economic growth, their presence often leads to increased dependency on foreign capital. Developing nations may become overly reliant on MNCs for jobs, investment, and technology, which can limit their ability to develop independent industries and self-sustaining economies.

विदेशी पूंजी पर निर्भरता

हालाँकि MNCs आर्थिक विकास में योगदान करती हैं, लेकिन उनकी उपस्थिति अक्सर विदेशी पूंजी पर निर्भरता बढ़ा देती है। विकासशील देश नौकरी, निवेश और प्रौद्योगिकी के लिए MNCs पर अत्यधिक निर्भर हो सकते हैं, जिससे उनकी स्वतंत्र उद्योगों और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की क्षमता सीमित हो सकती है।

8. Exploitation of Natural Resources

MNCs often exploit the natural resources of developing countries for profit. While they may bring in capital and employment opportunities, the extraction

Scholarly Minds

of resources like oil, minerals, and timber can have severe long-term consequences for the environment and local communities, including land degradation and loss of biodiversity.

प्राकृतिक संसाधनों का शोषण

MNCs अक्सर विकासशील देशों के प्राकृतिक संसाधनों का लाभ उठाती हैं। जबकि वे पूंजी और रोजगार के अवसर ला सकती हैं, तेल, खनिज और लकड़ी जैसे संसाधनों का निष्कर्षण पर्यावरण और स्थानीय समुदायों के लिए गंभीर दीर्घकालिक परिणाम हो सकता है, जिसमें भूमि का क्षरण और जैव विविधता की हानि शामिल है।

9. Political and Economic Influence

MNCs can exert significant political and economic influence in developing nations. Their large investments and operations often give them the power to shape policies and regulations to suit their interests. This can undermine local governance and lead to policies that favor multinational interests over the needs of the local population.

राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव

MNCs विकासशील देशों में महत्वपूर्ण राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव डाल सकती हैं। उनके बड़े निवेश और संचालन उन्हें नीतियों और नियमों को अपने हितों के अनुकूल आकार देने की शक्ति देती है। इससे स्थानीय शासन को कमजोर किया जा सकता है और ऐसी नीतियाँ बन सकती हैं जो स्थानीय जनसंख्या की जरूरतों की बजाय मल्टीनेशनल हितों को प्राथमिकता देती हैं।

Conclusion

In conclusion, while multinational corporations can drive economic growth and bring technological advancements to developing nations, their impact is not without significant challenges. These include exploitation of labor, environmental damage, market dominance, and cultural changes. The benefits of MNCs can be maximized if they operate under strong regulatory frameworks and contribute to sustainable development.

निष्कर्ष

अंत में, जबकि मल्टीनेशनल कंपनियां आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकती हैं और विकासशील देशों में प्रौद्योगिकी में प्रगति ला सकती हैं, उनका प्रभाव महत्वपूर्ण चुनौतियों के बिना नहीं है। इनमें श्रमिकों का शोषण, पर्यावरणीय क्षति, बाजार में प्रभुत्व और

Scholarly Minds

सांस्कृतिक परिवर्तन शामिल हैं। MNCs के लाभ को अधिकतम किया जा सकता है यदि वे मजबूत नियामक ढांचे के तहत कार्य करें और सतत विकास में योगदान करें।

Critically analyse the concept of nationalism in the context of globalisation.

1. Nationalism and its Traditional Concept

Nationalism is a political ideology that emphasizes the importance of a shared identity, culture, and history within a nation. Traditionally, nationalism promotes the idea of sovereignty and independence, asserting that the nation-state is the highest political authority. This concept emphasizes pride in national identity and the unity of citizens within a defined geographical boundary.

राष्ट्रवाद और उसका पारंपरिक सिद्धांत

राष्ट्रवाद एक राजनीतिक विचारधारा है जो राष्ट्र के भीतर साझा पहचान, संस्कृति और इतिहास के महत्व को बढ़ावा देती है। पारंपरिक रूप से, राष्ट्रवाद संप्रभुता और स्वतंत्रता के सिद्धांत को बढ़ावा देता है, यह मानते हुए कि राष्ट्र-राज्य सर्वोत्तम राजनीतिक प्राधिकरण है। यह सिद्धांत राष्ट्रीय पहचान में गर्व और एक सीमित भौगोलिक सीमा के भीतर नागरिकों की एकता को प्राथमिकता देता है।

2. Globalization and its Impact on National Sovereignty

Globalization refers to the increasing interconnectedness and interdependence of the world's economies, cultures, and populations. This process can undermine traditional forms of nationalism by eroding the concept of national sovereignty. As multinational corporations, global institutions, and international trade networks gain influence, the power of individual nation-states can be diminished.

वैश्वीकरण और राष्ट्रीय संप्रभुता पर इसका प्रभाव

वैश्वीकरण वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं, संस्कृतियों और जनसंख्याओं के बीच आपसी संबंध और निर्भरता बढ़ती है। यह प्रक्रिया राष्ट्रवाद के पारंपरिक रूपों को कमजोर कर सकती है, क्योंकि यह राष्ट्रीय संप्रभुता के सिद्धांत को कमजोर करती है। जैसे-जैसे मल्टीनेशनल कंपनियां, वैश्विक संस्थाएं और अंतरराष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क प्रभावशाली होते हैं, वैसे-वैसे प्रत्येक राष्ट्र-राज्य की शक्ति घट सकती है।

Scholarly Minds

3. Nationalism in the Era of Globalization

While globalization promotes interconnectedness, nationalism has not disappeared. In fact, it has taken on new forms. Some nations resist globalization, arguing that it threatens their sovereignty, culture, and identity. This has led to the rise of populist and nationalist movements in several countries, which challenge global institutions and demand the protection of national interests.

वैश्वीकरण के युग में राष्ट्रवाद

जहाँ वैश्वीकरण आपसी संबंधों को बढ़ावा देता है, वहीं राष्ट्रवाद समाप्त नहीं हुआ है। वास्तव में, इसने नए रूप धारण किए हैं। कुछ देश वैश्वीकरण का विरोध करते हैं, यह तर्क करते हुए कि यह उनके संप्रभुता, संस्कृति और पहचान के लिए खतरा है। इसके परिणामस्वरूप कई देशों में लोकलुभावन और राष्ट्रवादी आंदोलनों का उदय हुआ है, जो वैश्विक संस्थाओं को चुनौती देते हैं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की मांग करते हैं।

4. Economic Nationalism and Protectionism

Economic nationalism is a form of nationalism that emphasizes protecting domestic industries, jobs, and markets from foreign competition. In the context of globalization, economic nationalism has led to the rise of protectionist policies, such as tariffs and trade barriers. While these policies aim to safeguard local economies, they can hinder global trade and reduce economic efficiency.

आर्थिक राष्ट्रवाद और संरक्षणवाद

आर्थिक राष्ट्रवाद राष्ट्रवाद का एक रूप है जो घरेलू उद्योगों, नौकरियों और बाजारों को विदेशी प्रतिस्पर्धा से बचाने पर जोर देता है। वैश्वीकरण के संदर्भ में, आर्थिक राष्ट्रवाद ने संरक्षणवादी नीतियों के उदय को जन्म दिया है, जैसे कि शुल्क और व्यापार अवरोध। जबकि ये नीतियाँ स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं की रक्षा करने का लक्ष्य रखती हैं, वे वैश्विक व्यापार को हतोत्साहित कर सकती हैं और आर्थिक दक्षता को घटा सकती हैं।

5. Cultural Nationalism and Global Cultural Exchange

Cultural nationalism emphasizes the preservation of a nation's traditions, language, and values against the influence of foreign cultures. In the face of globalization, which promotes the exchange of cultures, some nations seek to

Scholarly Minds

preserve their unique cultural identities. This has resulted in debates over cultural homogenization versus the celebration of multiculturalism, with some arguing that globalization threatens cultural diversity.

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और वैश्विक सांस्कृतिक आदान-प्रदान

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एक राष्ट्र की परंपराओं, भाषा और मूल्यों के संरक्षण पर जोर देता है, विदेशी संस्कृतियों के प्रभाव के खिलाफ। वैश्वीकरण के सामने, जो सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है, कुछ देश अपनी अनूठी सांस्कृतिक पहचान को बचाने का प्रयास करते हैं। इसके परिणामस्वरूप सांस्कृतिक समानता बनाम बहुसांस्कृतिकता के उत्सव पर बहस उत्पन्न हुई है, जिसमें कुछ यह तर्क करते हैं कि वैश्वीकरण सांस्कृतिक विविधता को खतरे में डालता है।

6. Political Nationalism and Anti-Globalization Movements

Political nationalism often manifests in anti-globalization movements, where nationalists argue that global institutions such as the United Nations, World Bank, or IMF undermine the sovereignty of individual nations. These movements criticize the influence of global elites and advocate for greater national control over political and economic decision-making.

राजनीतिक राष्ट्रवाद और वैश्वीकरण विरोधी आंदोलन

राजनीतिक राष्ट्रवाद अक्सर वैश्वीकरण विरोधी आंदोलनों के रूप में प्रकट होता है, जहाँ राष्ट्रवादी यह तर्क करते हैं कि वैश्विक संस्थाएं जैसे संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक या IMF व्यक्तिगत देशों की संप्रभुता को कमजोर करती हैं। ये आंदोलन वैश्विक अभिजात वर्ग के प्रभाव की आलोचना करते हैं और राजनीतिक और आर्थिक निर्णय-निर्माण पर अधिक राष्ट्रीय नियंत्रण की वकालत करते हैं।

7. The Paradox of Nationalism in Globalization

There is a paradox in the relationship between nationalism and globalization. On one hand, globalization creates a more interconnected world, while on the other hand, nationalism seeks to preserve the independence and identity of the nation-state. As a result, some countries adopt both globalized practices and nationalist policies, creating tension between global cooperation and national sovereignty.

वैश्वीकरण में राष्ट्रवाद का विरोधाभास

राष्ट्रवाद और वैश्वीकरण के बीच संबंध में एक विरोधाभास है। एक ओर, वैश्वीकरण एक

Scholarly Minds

अधिक आपसी जुड़े हुए संसार का निर्माण करता है, जबकि दूसरी ओर, राष्ट्रवाद राष्ट्र-राज्य की स्वतंत्रता और पहचान को बनाए रखने की कोशिश करता है। इसके परिणामस्वरूप, कुछ देश वैश्वीकरण की प्रथाओं और राष्ट्रवादी नीतियों को दोनों अपनाते हैं, जिससे वैश्विक सहयोग और राष्ट्रीय संप्रभुता के बीच तनाव उत्पन्न होता है।

8. Nationalism as a Response to Global Inequality

Nationalism can also arise as a response to the perceived inequalities created by globalization. As wealth and power become concentrated in certain global centers, some nations turn to nationalism to protect their citizens from economic exploitation and social inequality. This response often manifests as anti-immigrant sentiment and a call for stricter border controls.

वैश्विक असमानता के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में राष्ट्रवाद

राष्ट्रवाद वैश्वीकरण द्वारा उत्पन्न असमानताओं के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में भी उभर सकता है। जैसे-जैसे संपत्ति और शक्ति कुछ वैश्विक केंद्रों में संकेंद्रित होती है, कुछ देश अपने नागरिकों को आर्थिक शोषण और सामाजिक असमानता से बचाने के लिए राष्ट्रवाद की ओर मुड़ते हैं। यह प्रतिक्रिया अक्सर अप्रवासी विरोधी भावना और कड़े सीमा नियंत्रण की मांग के रूप में प्रकट होती है।

9. Globalization and the Erosion of National Identity

One criticism of globalization is that it erodes national identity by encouraging a global culture that transcends national boundaries. As global communication, media, and consumerism spread, local cultures may lose their distinctiveness, leading to the dilution of national pride. Some view this as a threat to national sovereignty and cultural diversity.

वैश्वीकरण और राष्ट्रीय पहचान का क्षरण

वैश्वीकरण की एक आलोचना यह है कि यह राष्ट्रीय पहचान को कमजोर करता है, क्योंकि यह एक वैश्विक संस्कृति को बढ़ावा देता है जो राष्ट्रीय सीमाओं को पार कर जाती है। जैसे-जैसे वैश्विक संचार, मीडिया और उपभोक्तावाद फैलते हैं, स्थानीय संस्कृतियाँ अपनी विशिष्टता खो सकती हैं, जिससे राष्ट्रीय गर्व का पतन हो सकता है। कुछ इसे राष्ट्रीय संप्रभुता और सांस्कृतिक विविधता के लिए खतरा मानते हैं।

Conclusion

ScholarlyMinds

In conclusion, nationalism and globalization are interconnected forces that often conflict but also coexist. Nationalism, which emphasizes the preservation of national identity, sovereignty, and culture, faces challenges in the era of globalization, where interconnectedness and economic integration often diminish the role of the nation-state. While globalization brings benefits such as economic growth and cultural exchange, it also threatens to undermine the values and practices that nationalism seeks to protect.

निष्कर्ष

अंत में, राष्ट्रवाद और वैश्वीकरण आपस में जुड़े हुए बल हैं जो अक्सर संघर्ष करते हैं, लेकिन साथ-साथ भी रहते हैं। राष्ट्रवाद, जो राष्ट्रीय पहचान, संप्रभुता और संस्कृति के संरक्षण पर जोर देता है, वैश्वीकरण के युग में चुनौतियों का सामना करता है, जहाँ आपसी संबंध और आर्थिक एकीकरण अक्सर राष्ट्र-राज्य की भूमिका को घटाते हैं। जबकि वैश्वीकरण आर्थिक विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे लाभ लाता है, यह भी उन मूल्यों और प्रथाओं को कमजोर करने का खतरा उत्पन्न करता.

FOR PDF VISIT MY WEBSITE hindustanknowledge.com

Scholarly Minds